परिसीमनः उत्तर-दक्षिण में खिंचीं तलवारें

टेक्नोलॉजीः अब भारत के अपने एआइ का दौर

मिथिला साड़ी वर्करः हुनरमंद हाथों की हकमारी

19 मार्च, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

नक्सलवाद

अब बस आखिरी चोट

देश में आंतरिक खतरे की सबसे बड़ी चुनौती को समाप्त करने की मोदी सरकार की रणनीति की अंतर्कथा

एक्सक्लूसिव इंटरव्यूः अमित शाह

''मार्च 2026 तक हम नक्सली खतरे को समाप्त कर देंगे''

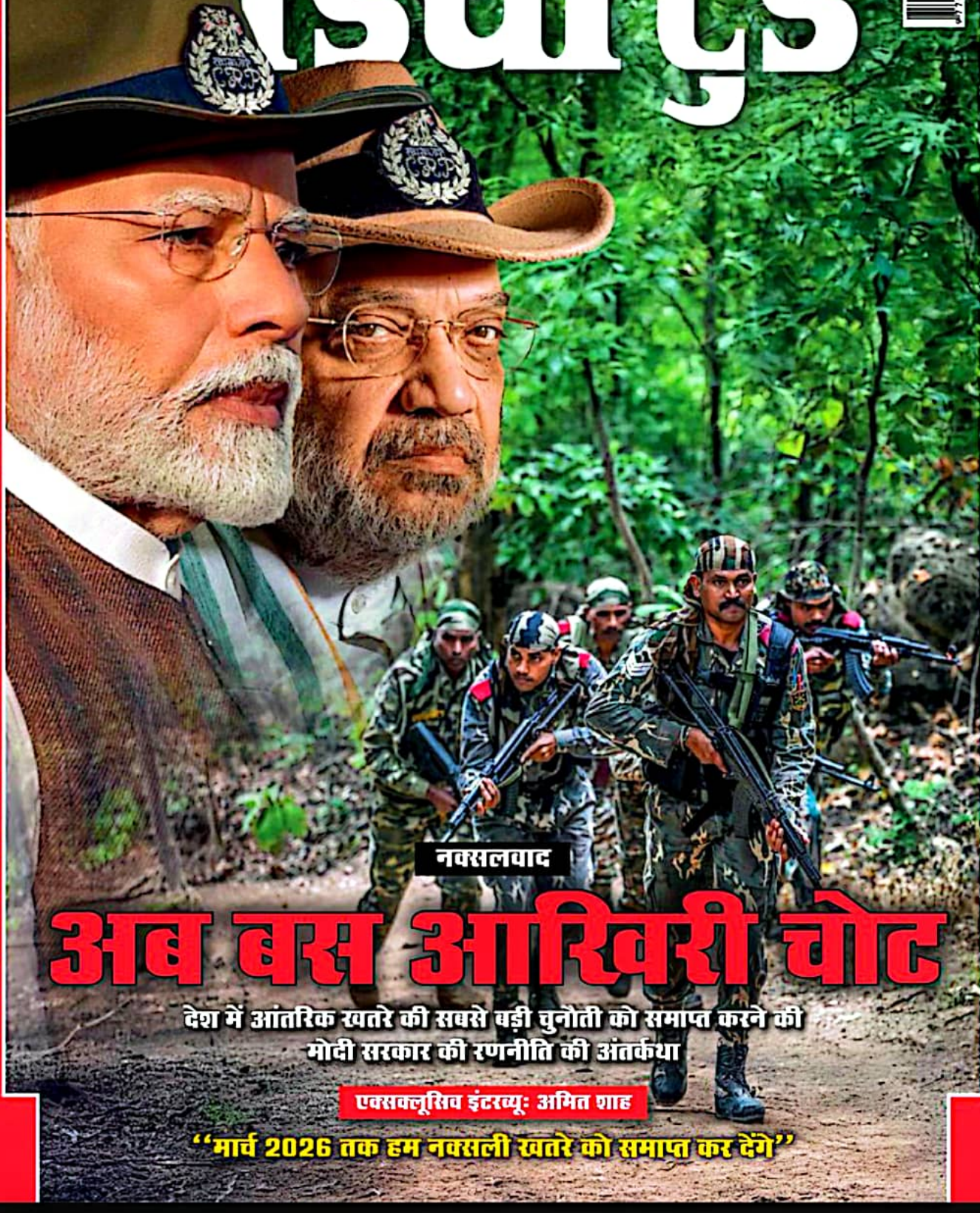

RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26, LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

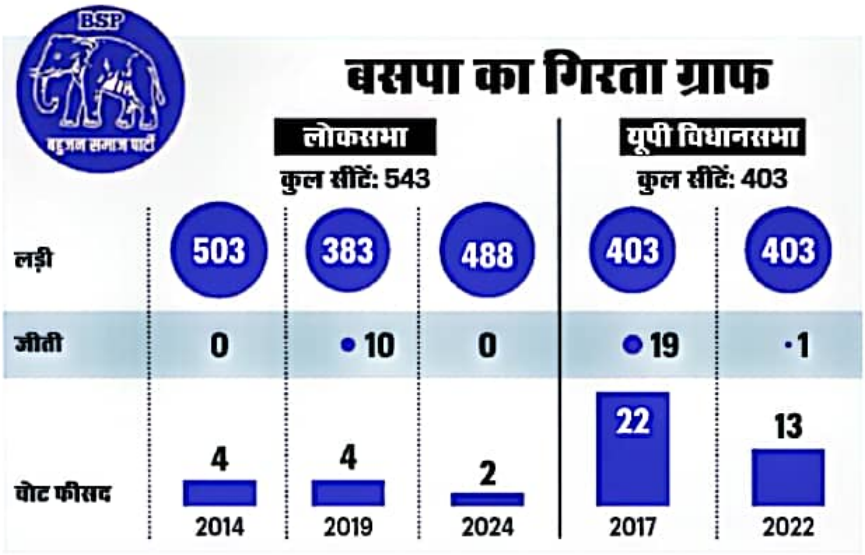

है...लाखों आकाश आनंद इस मशाल को जलाए रखने और इसके लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने के लिए हमेशा तैयार हैं.'' यही पोस्ट मायावती को नागवार गुजरी.

मायावती ने 2 मार्च को जब आकाश को बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाने की तो यह 10 महीने में दूसरी बार था, जब उन्होंने ऐसा फैसला लिया. मायावती 2017 से ही अपने भाई आनंद कुमार के बेटे 30 वर्षीय आकाश आनंद को अपना सियासी उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी में थीं. उन्होंने जून 2019 में आकाश को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया. दिसंबर 2023 में मायावती ने आकाश को अपना सियासी उत्तराधिकारी नामित किया. इस कदम को युवा दलित नेता चंद्रशेखर आजाद के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के उपाय के रूप में भी देखा गया. 2024 में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मायावती ने सीतापुर में अभद्र भाषा के एक मामले में आकाश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया. जनसभाओं में आकाश के तीखे भाषण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष और मीडिया को दिए इंटरव्यू को पार्टी लाइन के खिलाफ माना जाता था. लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन और हरियाणा, महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मायावती ने अगस्त 2024 में आकाश को फिर प्रमुख पदों पर बहाल कर दिया था. उन्हें

बसपा के भीतर बढ़ती गुटबाजी के चलते मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को दिखाया पार्टी से बाहर का रास्ता. इसके साथ ही मायावती ने साल 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को नए सिरे से तैयार करना शुरू कर दिया है.

हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनावों में पार्टी अभियान का नेतृत्व सौंपा गया.

बुआ और भतीजे के रिश्ते में अचानक आई दरार पर वैसे तो कोई बसपा नेता बोलने को तैयार नहीं मगर अंदरखाने से मिली जानकारी के मुताबिक, मायावती ने जब आकाश को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनाव प्रचार की कमान सौंपी तो आकाश ने अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के साथ मिलकर उम्मीदवारों के चयन, प्रचार कोष जुटाने और रणनीति बनाने समेत पार्टी के सारे काम करने शुरू कर दिए. रामजी गौतम समेत मायावती के विश्वासपात्र माने जाने वाले वरिष्ठ पार्टी नेताओं को दरकिनार कर दिया गया. बसपा में दो गुट बनने लगे. एक ओर मायावती के करीबी थे तो दूसरी ओर आकाश के वफादार. दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद मायावती के वफादारों ने उन्हें चुनाव में आकाश और अशोक की भूमिका तथा पार्टी कोष के कथित कुप्रबंधन के बारे में जानकारी दी. मायावती को यह भी बताया गया कि आकाश-अशोक की जोड़ी विभिन्न राज्यों में संगठन पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है. बसपा के एक नेता बताते हैं, ''बहन जी को बसपा के दो गुटों में बंटने का डर था क्योंकि कई नेता तेजी से आगे बढ़ने की चाहत में आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ के साथ लामबंद हो रहे थे.'' पार्टी में गुटबाजी खत्म करने और इस जोड़ी को प्रभावहीन करने के लिए 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद के लिए पार्टी के दरवाजे खोले, जो उनके भाई आनंद कुमार के दूसरे बेटे हैं. फिर भी जब अंदरूनी हालात नहीं संभले तो 12 फरवरी को लखनऊ में समीक्षा बैठक में मायावती ने अशोक को पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा की. बसपा के पूर्व सांसद 60 वर्षीय अशोक मायावती के करीबी थे. निकाले जाने से पहले वे दक्षिणी राज्यों के पार्टी प्रभारी थे. 1984 में कांशीराम की ओर से बसपा के गठन से पहले वे बामसेफ से जुड़े प्रमुख के इतने करीबी थे कि 2023 को अपनी बेटी प्रज्ञा से शादी आसानी से करवा दी.

बसपा के प्रथम परिवार में घ बीच मायावती ने फिर अपने भाई आनंद कुमार पर भरोसा जताया, जिन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बावजूद कभी अपनी महत्वाकांक्षा नहीं दिखाई. वे हमेशा सुर्खियों से दूर रहे हैं. 2 मार्च को पार्टी की बैठक में मायावती ने कार्यकर्ताओं से कहा, ''चाहे कागजी काम हो, आयकर हो, अदालती मामले हों, सभी आनंद कुमार संभालते हैं, जिन्होंने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी. उन्होंने कांशीराम की भी देखभाल की, जब वे बीमार थे.'' मायावती ने घोषणा की कि जब तक वे जीवित हैं, उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा. पार्टी पर पकड़ मजबूत करने के लिए उन्होंने आनंद कुमार और रामजी गौतम को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया. इसके साथ ही मायावती ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए भी संगठन को नए सिरे से तैयार करना शुरू किया है. उन्होंने हर मंडल में बसपा के चार कोआर्डिनेटर तैनात किए हैं. इसके अलावा दो जिला प्रभारी और दो विधानसभा प्रभारी भी बनाए गए हैं. आकाश के बगैर बसपा अपनी खोई सियासी जमीन कितना हासिल कर पाएगी? इसका जवाब भविष्य के गर्त में है.■

CamScanner

इंडिया टुडे
देश की भाषा में देश की धड़कन

INDIA TODAY GROUP

सबसे भरोसेमंद स्रोतों से, सबसे सटीक जानकारी

सब्सक्राइब करें और पाएं 68% तक की छूट

हां! मैं इंडिया टुडे को सब्सक्राइब करना चाहता/चाहती हूं

3.[illegible] सब्सक्रिप्शन को टिक करें और फॉर्म को इस पते पर भेज दें– वी केअर, लिविंग मीडिया इंडिया लि. डी–9, सेक्टर–10, [illegible] (भारत)

टिक करें	अवधि	कुल अंक	कवर प्राइस (₹)	ऑफर प्राइस (₹)	प्लान	डिस्काउंट
☐	1 वर्ष	52	~~3120~~	999	डिजिटल	68%
☐	1 वर्ष	52	~~3120~~	2699	डिजिटल+प्रिंट	14%

कृपया फॉर्म को ब्लॉकलेटर में भरें

मैं चेक/डीडी जमा कर रहा/रही हूं जिसकी संख्या.....................है और इसे दिनांक................ को लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड के पक्ष में .... (बैंक का नाम).......................रुपये की धनराशि (दिल्ली से बाहर के चेक के लिए ₹50 रुपये अतिरिक्त जोड़ें, समान मूल्य के चेक मान्य नहीं होंगे) के लिए बनवाया गया है.

नाम.. पता...

.... शहर...................... राज्य......................... पिन.......................

मोबाइल.. ईमेल...

सब्सक्राइब करने के लिए यहां स्कैन करें.

ऑफर के विषय में विशेष जानकारी के लिए निम्न माध्यमों से संपर्क भी कर सकते हैं

कॉल और Whatsapp के लिए +91 8597778778

ईमेल भेजें wecare@intoday.com

लॉग ऑन करें subscriptions.intoday.in/indiatoday-hindi

लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड इस ऑफर या इसके अंश को कभी भी समाप्त करने या आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है. अन्य नियम व शर्तों की जानकारी के लिए कृपया देखें-www.indiatoday.in